बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

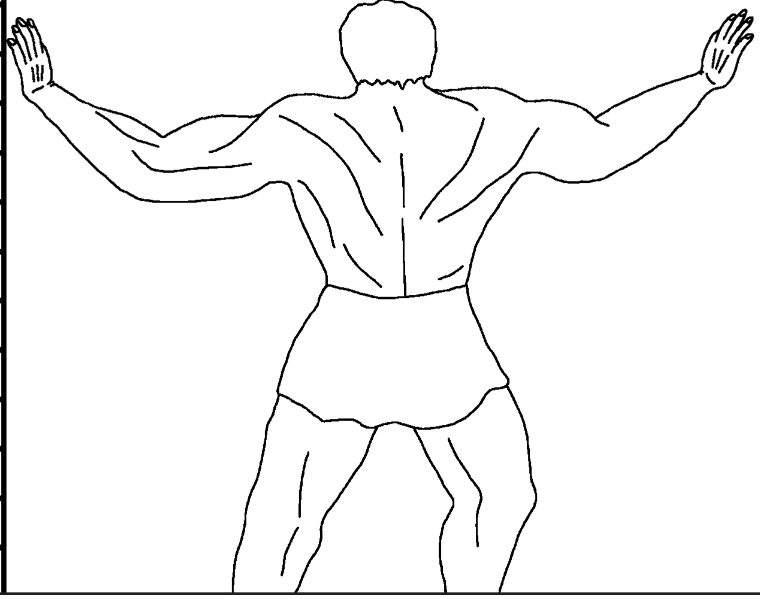

परमेश्वर का शक्तिशाली पुरुष, शिमशोन

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Janie Forest; Alastair Paterson
रूपान्तरकार: Lyn Doerksen
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2021 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

बहुत समय पहले, मानोह नाम का एक आदमी इस्राएल देश में रहता था। उनकी कोई संतान नहीं थी। एक दिन यहोवा का दूत मानोह की पत्नी को दर्शन दिया। उसने कहा, "तुम्हारा एक बहुत ही ख़ूबसूरत खास बेटा होगा।"

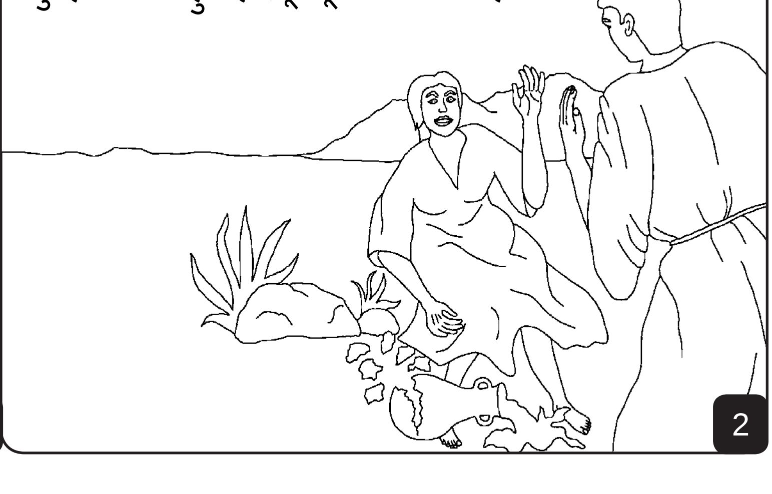

उसने अपने पति को इस अद्भुत सन्देश को बताया। मानोह ने प्रार्थना की ... हे परमेश्वर फिर से हमारे पास आओ, हम अपने बच्चे के लिए क्या करें, "हमें सिखाओ।"

3

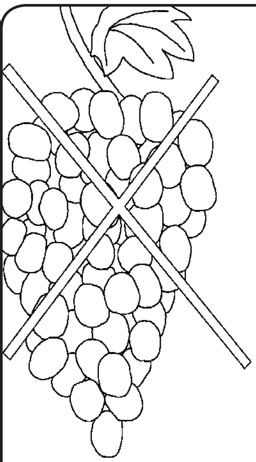

स्वर्गदूत ने मानोह को बताया, बच्चे का कभी बाल न कटवाना, कभी भी मदिरा पान न करे, और कुछ बर्जित खाद्य पदार्थ कभी न खाएं परमेश्वर इस बच्चे को एक न्यायी होने के लिए चुन लिया है। वह इजरायल का नेतृत्व करेगा।

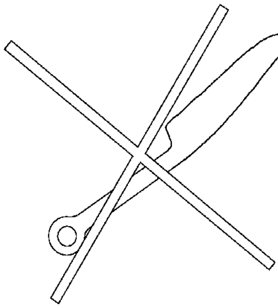

4

परमेश्वर के लोगों को निश्चित रूप से मदद की जरूरत थी। वे परमेश्वर को अपने जीवन से बाहर निकाल चुके थे, और अपने दुश्मन पलिश्तियों, से तंग आ चुके थे। लेकिन जब वे प्रार्थना किये परमेश्वर ने उनकी सुन लीं। उसने दुनिया में इस बच्चे को भेजा जो सबसे ताकतवर आदमी होने वाला था।

5

"एक स्त्री ने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम शिमशोन रखाः बच्चा बड़ा हुआ, और यहोवा ने उसे आशीष दिया। प्रभु का आत्मा उस पर स्थानांतरित होना शुरू किया, अब शिमशोन बहुत शक्तिशाली हो गया। एक दिन वह अपने निहत्थे हाथों से एक जवान सिंह से लड़ा - और उसे मार डाला!

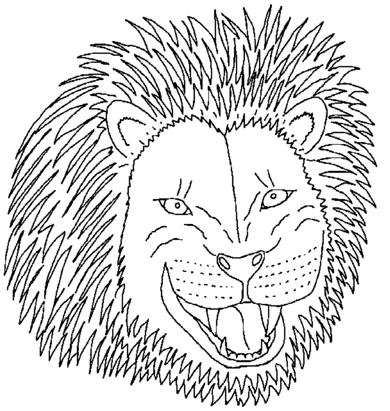

6

आगे चलकर, शिमशोन ने शेर के मृत शरीर में से मधुमक्खियों के लगाये छत्ते से शहद का स्वाद चखा। उसने एक पहेली बनाई: "खाने वाले में से खाना और बलवंत में से कुछ मीठी वस्तु निकली।" लेकिन किसी ने भी इसका अर्थ नहीं समझा, पर शिमशोन की नई पत्नी - अपने एक पलिश्ती दोस्तों को बताया, इस से शिमशोन बहुत नाराज हुआ।

7

शिमशोन और भी अधिक क्रोधित हुआ जब पलिश्तियों ने उसकी पत्नी को उसके प्रिय दोस्त की पत्नी होने के लिए दे दीये। उसने बदला लेने की योजना बनाई। लेकिन कैसे? सबसे पहले, शिमशोन 300 लोमड़ियों को पकड़ा, फिर दो दो करके एक साथ उनकी पूंछो को बांध दिया और उनमे मशाले जलाया।

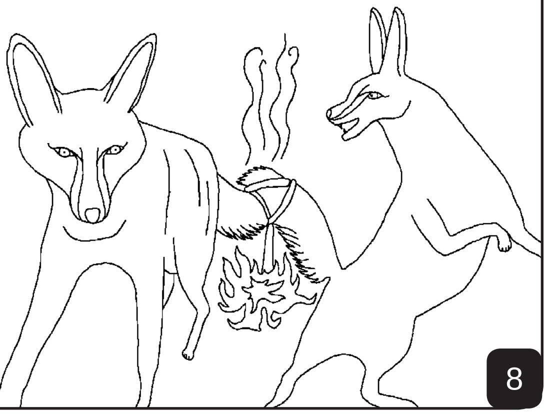

8

फिर शिमशोन ने लोमड़ियों को पलिश्तियों के 'अनाज के खेतों में छोड़ दिया!

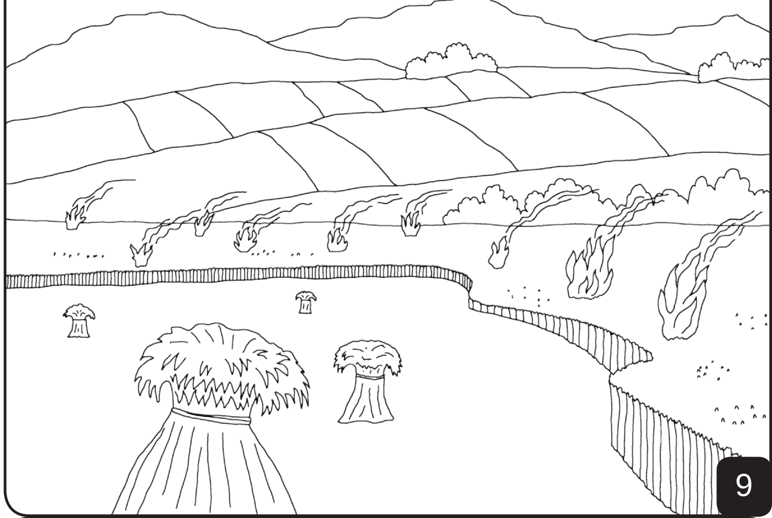

अब पलिश्ती लोग बदला लेना चाहते थे। शिमशोन को पकड़ा जाए, बांध दिया जाए और पलिश्तियों द्‌वारा जान से मारे जाने को सौंप दिया जाए।

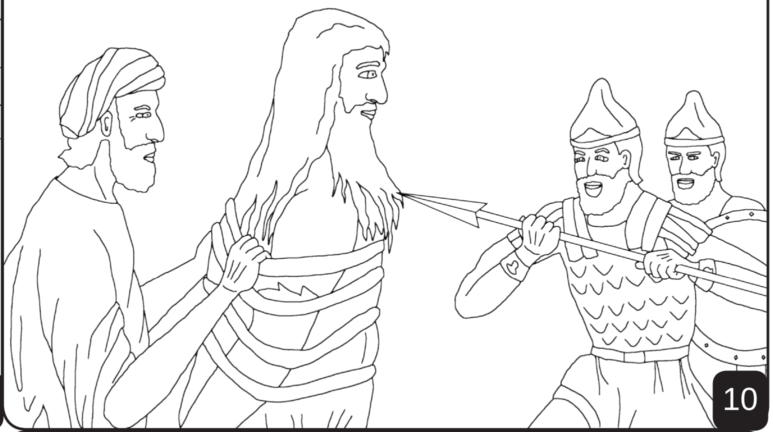

लेकिन प्रभु की आत्मा शिमशोन पर उतरी, उसने रस्सियों को तोड़ दिया तथा एक मरे हुए गधे में से एक ताजा जबड़े की हड्डी उठायी और 1000 दुश्मनो को मार डाला।

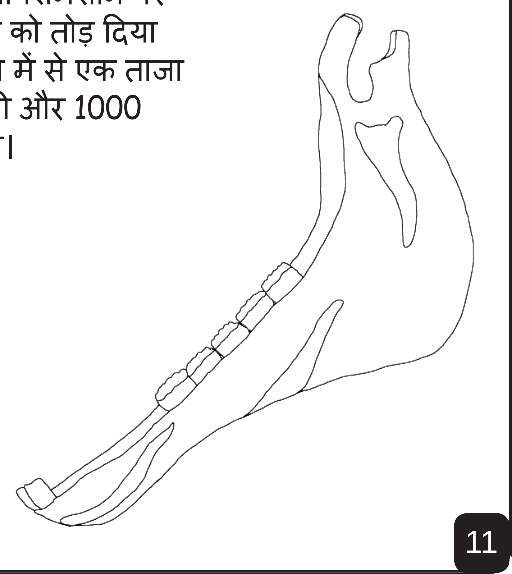

पलिश्तियो की खोज दलों ने शिमशोन को बहुत ढूंढ़ा। एक रात, वे एक शहर में उसे फँसाये और शहर के द्‌वार को बंद कर दिये। लेकिन शिमशोन शहर के फाटकों को अपने कंधों पर लेकर बाहर चला गया!

परन्तु शिमशोन ने परमेश्वर की योजना को असफल बनाया। जब तक वह परमेश्वर की बात मानी तब तक परमेश्वर ने उसे ताकत दी। एक दिन, शिमशोन, एक सुंदर पलिश्ती जासूस, दलीला को अपने ताकत की राज बता दिया। सोते वक्त उसका आदमी शिमशोन के बाल को काट दिया।

तब पलिश्ती सैनिकों ने दलीला के शयन कमरे में शिमशोन पर हमला किया। शिमशोन कठिन संघर्ष किया - पर उसकी ताकत अब जा चुकी थी। उसके दुश्मनों ने उसकी आँखें फोड़ दी। कमजोर और अँधा, शिमशोन अब पलिश्तियों का 'गुलाम बन गया। वे हँसे और परमेश्वर के सेवक का मज़ाक उड़ाये।

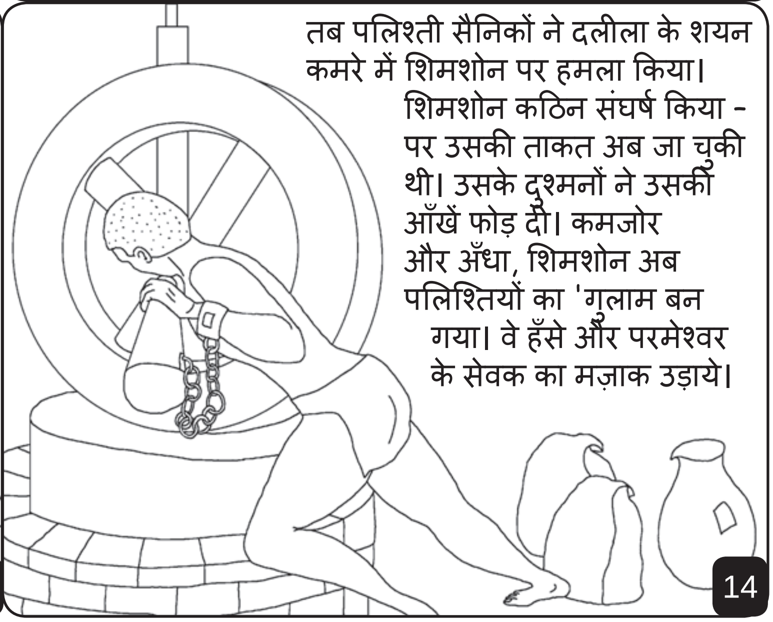

पलिश्तियों ने एक दावत की। शिमशोन को उनके देवता के हांथो में देकर, वे अपने मछली देवता और अजगर देवता की प्रशंसा किये। वे खूब मादिरा पान किये और अजगर देवता के मन्दिर में आनन्द मनाए। तब वे फिर प्रदर्शन करने के लिए शिमशोन को बुलवाये।

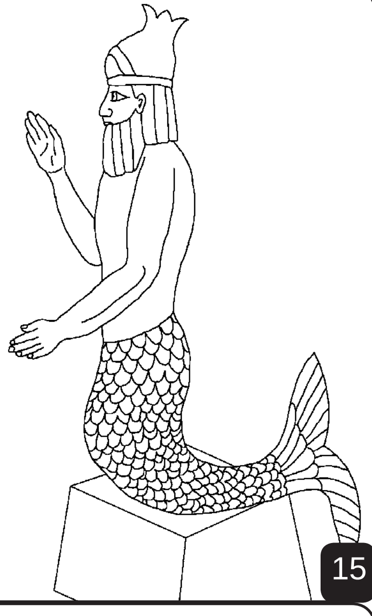

15

एक लड़का शिमशोन को बाहर लाया, और जिसके ऊपर मंदिर टिका हुआ था उस मंदिर के खंभों पर झुकने दिया। वहाँ छत पर 3000 पलिश्ती थे, और मंदिर में बहुतेरे जो सब उसका मजाक उड़ा रहे थे। अब शिमशोन के बाल जेल में विकसित होने लगे थे।

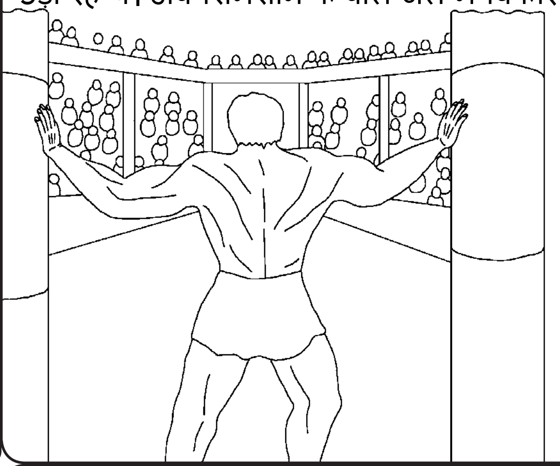

उसने प्रार्थना की, "हे परमेश्वर यहोवा, केवल इस बार मुझे ताकत दे, ताकि मैं अपने दोनो आँखों का उनसे बदला ले सकू।"

16

क्या परमेश्वर शिमशोन को फिर से ताकत देगा? क्या शिमशोन फिर से असंभव काम करेगा? हाँ! हाँ! बड़ी शक्ति के साथ शिमशोन उन मजबूत खंभों को गिराकर अलग अलग कर दिया। इस अजगर देवता के मन्दिर को दुर्घटनाग्रस्त खंडहर बना दिया, शिमशोन और हजारों पलिश्ती मारे गए!

17

परमेश्वर का शक्तिशाली पुरुष, शिमशोन

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

न्यायियों 13-16

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

18

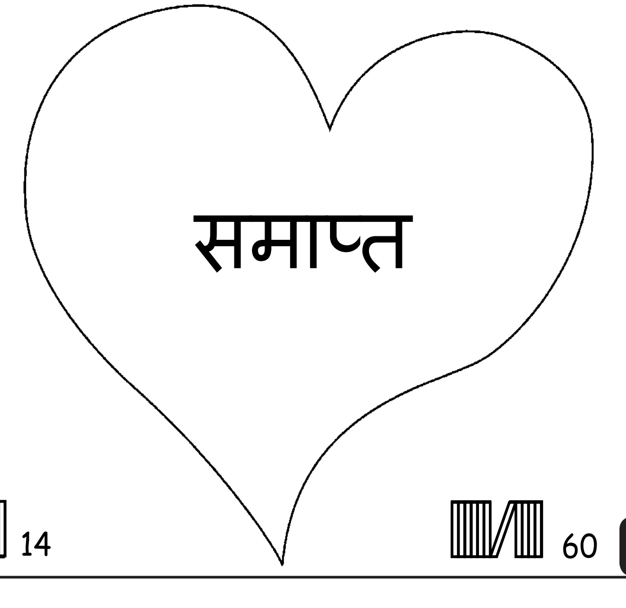

14 60

19

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16

20